आकाशवाणी शिमला
04.08.2024 / प्रादेशिक समाचार / 18.00बजे

तलाशी अभियान

शिमला, मंडी और कुल्लू ज़िलों में बादल फटने की घटना में लापता लोगों की तलाश आज चौथे दिन भी जारी है। राज्य में अलग–अलग स्थानों पर बादल फटने की घटनाओं के बाद 44 लोग अब भी लापता हैं। इनमें से 36 लापता लोग शिमला जिले के रामपुर के समेज इलाके के हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें लाइव डिटेक्टर उपकरणों के साथ लापता लोगों की तलाश कर रही हैं। शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने तलाशी दल के साथ स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के लिए तैनात बल में और लोग शामिल किए जाएंगे। उपायुक्त ने बताया कि लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति और खाद्य तथा आपूर्ति विभाग को प्रभावित स्थानों पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, जनजातीय जिले लाहौल स्पीति में बादल फटने की घटना के कारण दार्चा–शुनक्ला मार्ग पर सीमा सड़क संगठन के दो पुल क्षतिग्रस्त हो गए। इस कारण दार्चा–शुनक्ला–जान्सकर मार्ग पर यातायात रोक दिया गया है।

जयराम ठाकुर

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने आज शिमला ज़िले के आपदा प्रभावित समेज गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आपदा में लापता हुए लोगों के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना जताई और राहत व बचाव कार्यों का जायज़ा लिया। जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार से तलाशी अभियान को और तेजी से चलाने का आग्रह किया ताकि लापता लोगों को जल्दी से जल्दी खोजा जा सके। बाद में उन्होंने रामपुर से आपदा प्रभावित क्षेत्र समेज के लिए राहत सामग्री से भरे वाहनों को भी हरी झण्डी दिखाई।

परमार जयंती

हिमाचल निर्माता व प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री डॉक्टर यशवंत सिंह परमार को आज उनकी एक सौ 18वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने शिमला स्थित विधानसभा परिसर में हुए एक राज्यस्तरीय कार्यक्रम में कहा कि डॉक्टर परमार एक महान और दूरदर्शी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने प्रदेश के विकास की मज़बूत आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमें डॉक्टर परमार के सिद्धांतों और उनके दिखाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के अनुसार वर्तमान प्रदेश सरकार हिमाचल का उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से कार्य कर रही है और आर्थिक तंगी के बावजूद प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने डॉक्टर परमार की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इससे पहले उन्होंने रिज मैदान पर स्थित परमार की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, उपाध्यक्ष विनय कुमार और कैबिनेट मंत्रियों सहित अन्य गणमान्य लोग इस दौरान मौजूद रहे।

मिंजर मेला

चम्बा का अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेला रावी नदी में हाथ से बनी जरी की मिंजर विसर्जन के साथ आज संपन्न हो गया। स्थानीय विधायक नीरज नैयर ने मेले के समापन समारोह की अध्यक्षता की और इस अवसर पर निकाली गई शोभा यात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक संध्याएं जहां मेले का मुख्य आकर्षण रहीं वहीं लोगों के लिए व्यापारिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू को मेले के समापन समारोह में शिरकत करनी थी, लेकिन खराब मौसम के चलते वे चम्बा नहीं पहुंच पाए।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में सड़क सुरक्षा के लिए अनेक नवीन कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में करीब 3 करोड़ 72 लाख रूपए की लागत से शिमला के लिए 19 जबकि नूरपुर पुलिस ज़िला के लिए 6 पेट्रोलिंग मोटरसाइकिलें प्रदान की गई हैं। इन मोटरसाइकिलों को आज शिमला से हरी झण्डी दिखाई गई। उन्होंने कहा कि कांगड़ा और मण्डी ज़िलों के लिए भी सड़क सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे।

शांडिल

स्वास्थ्य मंत्री धनीराम शांडिल ने कहा है कि खेल मानसिक तनाव दूर करने में अहम भूमिका निभाते हैं। सोलन में ऑल ओवर इंडिया हिमाचल ओपन ब्रिज प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को किसी न किसी खेल में भाग लेना चाहिए ताकि वह शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ बन सके। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित भी किया। इस प्रतियोगिता में देशभर की 23 टीमों ने भाग लिया।

बिजली बोर्ड

राज्य बिजली बोर्ड ने प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्देशित पब्लिक इंटरेक्शन कार्यक्रम के तहत चम्बा मिंजर मेला के दौरान ज़िला में कई कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चम्बा में ऊर्जा मेला सहित ज़िला के चुवाड़ी राजकीय महाविद्यालय में जागरूकता और बोर्ड के 33 केवी विद्युत उपकेन्द्रों चम्बा, चुवाड़ी, बकलोह में विद्युत सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजि किए गए।

सीपीएस

मुख्य संसदीय सचिव किशोरी लाल ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण को ज़रूरी बताया है। कांगड़ा ज़िले में बैजनाथ के जंडपुर में पौधरोपण अभियान के दौरान उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और संतुलन में सभी नागरिकों का सक्रिय योगदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरित आवरण बढ़ाने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना चलाई गई है। इसके तहत ऐसे क्षेत्र जहां वन नहीं है, वहां पर पौधरोपण किया जा रहा है।

.....